वेतन को कार्य-निष्पादन के साथ जोड़ा जाना

1983. **श्री राम जेठमलानी :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 25 अप्रैल, 1993 के "इकोनोमिक टाइम्स" में "पी०एस०यू० सैलरीज लिंक्ड टू परफार्मेन्स" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि सरकार ने अब कर्मकारों के वेतन और उनको मिलने वाले अन्य प्रोत्साहनों में भावी वृद्धि को संबंधित संगठन के लाभ-हानि से जोड़ दिया है;

(ग) यदि हां; तो इस संबंध में लिए गए निर्णय का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने प्रबंधकों के गलत निर्णयों के कारण संगठन को होने वाली हानि के दुष्परिणामों के विरुद्ध कर्मकारों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाए हैं; और

(ङ) यदि हां; तो सरकार ने इस संबंध में क्या उपाय किए हैं?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री और उद्योग मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) नई मजूरी नीति के अंतर्गत प्रबन्धक अलग-अलग उद्यमों/एककों द्वारा संसाधन जुटाने लाभार्जन को ध्यान में रखते हुए और उनके अनुरूप मजूरी संरचना के लिये बातचीत करने के लिए स्वतंत्र हैं। सरकार मजूरी में हुई वृद्धि के लिये कोई बजटगत सहायता प्रदान नहीं करेगी तथा सम्बद्ध प्रबन्धकों द्वारा जुटाये गये अपने आंतरिक संसाधनों के भीतर अपेक्षित संसाधन ढूंढने होंगे। सरकारी क्षेत्र के कुछ उद्यम, जो एकाधिकारी हैं या लगभग एकाधिकारी हैं या उनमें कोई मूल्य नियंत्रण ढांचा है, उनके लिये यह अवश्य सुनिश्चित किया जाये कि बातचीत के बाद मजूरी में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप उनके सामान तथा सेवाओं के नियंत्रित मूल्य में स्वत: कोई वृद्धि न हो।

यह भी निर्णय किया गया है कि मजूरी समझौतों की अवधि 5 वर्ष की होगी और इनमें संशोधन इस शर्त पर होंगे कि उत्पादन की इकाई, श्रम लागत में कोई वृद्धि नहीं होगी।

(घ) और (ङ) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा हानि उठाने के सामान्य कारण हैं—अतिरिक्त जनशक्ति, पुरानी प्रौद्योगिकी, उचित कार्य-संस्कृति की कमी, निजी क्षेत्र से कड़ी प्रतिस्पर्धा आदि। कार्य-निष्पादन में सुधार करने के लिये किये कुछ उपाय हैं : आधुनिकीकरण तथा पुनर्स्थापन, वित्तीय, प्रबन्धकीय तथा संगठनात्मक पुनर्गठन, उत्पादमिश्र में परिवर्तन, प्रौद्योगिकी समुन्नयन आदि। उद्यमों के पुनर्गठन के कारण प्रभावित होने वाले कर्मचारियों के पुनर्प्रशिक्षण/पुनर्नियोजन के लिये एक राष्ट्रीय नवीकरण कोष का गठन किया गया है।

Items reserved for SSI

1984. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state which are the industries—big, medium and multinationals allowed to carry on Busineis Certificates in the items reserved for SSI?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPTT. OF SMALL SCALE INDUSTRIES AND AGRO AND RURAL INDUSTRIES) (SHRI M. ARUNACHALAM): From 1980 to March, 1993 Carry-on-Business (COB) licences have been issued to 2180 medium/large scale undertakings engaged in leather products, hosiery and garments, chemical and chemical producte, rubber

and plastic products, electrical eletfirani-cs industries etc. which cover both unreserved and reserved itself.

Since the announcement of Industrial Policy Statement on 24th July, 1991 three Industrial undertakings have been issued COB licences for manufacture of leather garments, leather shoe uppears, leather footwear and biscuits which are reserved for small scale sector.

Shifting of the headquarter of the Income Tax Appellate Tribunal

@1985. SHRI MOTURU HANUMA. NTHA RAO: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the reasons for shifting the headquarter of the President of the Income Tax Appellate Tribunal from Bombay to New Delhi while the office of the Registrar of ITAT continued to be located at Bombay;

(b) whether it is a fact that shifting of the headquarter of the President of the Income Tax Appellate Tribunal from Bombay to New Delhi was dovetailed with the appointment of a New President; and

(c) if so, in what manner this arrange ment is going to help Income Tax Department?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) Pending consideration of the proposal to transfer the headquarters of the Income Tax Appellate Tribunal from Bombay to New Delhi, the President of the Tribunal has been permitted to function temporarily from Delhi with a view achieving better coordination of work between the President and the Ministry.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

©Previously UnStarred Question 960 transferred from 4th May, 1993,

Vacant posts of Vice President Sn Income Tax Appellate Tribunal

@@1986. SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO; Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the reasons for keeping several posts like Vice President Vacant for several years in the Income Tax Appellate Tribunal; and

(b) what is its impact on the functioning of the Tribunal

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) and (b) There are only three posts of Vice-President in the Tribunal, of which two have remained unfilied only for a short period. Steps have been taken to fill up these posts.

Power of the President of Income Tax Appellate Tribunal

1987. SHRI MOTURU HANUMANTHA RAO; Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the President of the In. come Tax Appellate Tribunal enjoying-an extension of service can bear judicial matters and exercise powers to transfer the Appellate Members arid sif in the constitution of Special Benches or as Third Member;

(b) if not, whether extensions have been given to any serving President of the Appellate: and

(c) if so, what are the reasons for the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

@ @ Previously UnStarred Question 892 transferred from 4th May, 1993.